TickMark.Ai
Mumbai

Class: EM - CLASS 10 **Subject:** Hindi **Time:**1 hrs
Date: 02-08-2025 **Paper:** Unit 1 (Solution) **Marks:**20

Q1)
(1) (1) (i) इन्हें मरीज से हमदर्दी नहीं होती।
(ii) ये सिर्फ सूरत दिखाने आते हैं।
(2) आज कोई भी आए मैं आँख नहीं खोलूँगा, चुपचाप पड़ा रहूँगा।
(3) (1) (i) थोड़ी-बहुत (ii) धीरे-धीरे
(2) वचन परिवर्तन - बच्चे
लिंग परिवर्तन - बच्ची
(4) हम सभी को कभी-न-कभी मरीजों से मिलने जाना पड़ता है। हमें समय निश्चित करके ही मरीज से मिलने जाना चाहिए, ताकि उन्हें हमारी वजह से किसी भी प्रकार का कष्ट न पहुँचे। छोटे बच्चों को साथ न ले जाएँ। यदि कोई पर्याय नहीं है, तो बच्चों को मरीज से दूर रखें। बच्चों को कोई संक्रमण न हो और बच्चों की शरारत से मरीज को भी नुकसान न हो, इस बात का ख्याल रखना आवश्यक है। मरीज से तसल्ली भरी और आवश्यक बातें करनी चाहिए। आवाज ऊँची न हो और स्वर में विनम्रता होनी चाहिए। हमारी बातों से मरीज का हौंसला बढ़े, ऐसी बातें करनी चाहिए। अर्थात् मरीज से हमेशा सकारात्मक और प्रोत्साहन देने वाली बातें करें। मरीज के लिए फल, स्वास्थ्यवर्धक खाद्य सामग्री, फूल साथ में लेकर जाने चाहिए। साथ ही आवश्यक रुपए-पैसे भी साथ में लेकर जाने चाहिए। इस प्रकार अनुशासन और सामाजिक शिष्टाचार का पालन करते हुए हमें मरीज से मिलने जाना चाहिए। इस प्रकार की सावधानियाँ बरतना अत्यंत आवश्यक है।

Q2)
(1) (1) (i) मीराबाई
(ii) बिरहणि
(iii) राम
(iv) विकारोंका
(2) (1) (i) बेर-बेर (ii) बिकार
(2) (i) अंत (ii) दूर
(3) प्रस्तुत पंक्तियों में मीरा कहती है की हे प्रभु ! तुम्हारे बिना मेरा उद्धार नहीं हो सकता है। तुम ही तो मेरे पालनहार और मेरे रक्षक हो। मैं तुम्हारी दासी हूँ। मेरा जन्म – मरण तुम्हारे नाम के चारों ओर आरती की तरह घूमता रहता है। मैं तुम्हें बार-बार पुकार कर उद्धार के लिए विनय कराती रहती हूँ। विकारों से भरें इस भवसागर में मेरी नाव के पाल फट गए है और अब इस नाव को डूबने में समय नहीं लगेगा। हे प्रभु मेरी नाव के पाल बांध दो। यह तुम्हारी विरहिणी तुम्हारी (अपने प्रिय की) ही राह देख रही है। मुझे अपनी शरण में ले लो। यह दासी मीरा तुम्हारे ही नाम जी रट लगाए हुए है, तुम्हारी शरण में है। इसे बचाकर इसकी लाज रख लो।

Q3)
(1) जाओ - जाना
(2) सीता की किताब राम के पास है।
(3) संयुक्त वाक्य
(4) ड्राइविंग सिखते सिखते नीलेश ने गाड़ी की ईट से ईट बजा दी।
(5) करामात अली - व्यक्तिवाचक संज्ञा
(6) इस पर्वतीय जगह में सर्वत्र शांति है |

All the Best

TickMark.Ai